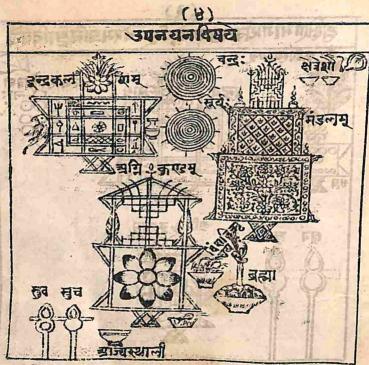


 $Ref $$ \underline{ https://archive.org/details/KarmaKandaOfKeshavBhattJyotishiOfKashmirBook1936BlurredIV} $$ \underline{NirnayaSagarPress/mode/2up} $$$ 



	-				5		S			
वामभागायं वेषमपतिष्ठाविषयं क्रिक्ट देश विषयं विष										
उमेश	य्	7 वा	स्त्य	गगार	-	1	800	A.F	7/	इवराय
चरव	होशे	<u> </u>		(3	क्रा	4)2	3202	· \	7 (4	स्थाय)
	36	989	3	X	स्या	<b>*</b>	यर्भ	मार्व	1/2	
इल्य <u>ष्टा</u> व	<b>१</b> इत्य	X	3	A	X	E	3	X	Setu	
	彩	38	No.		33	133	Z	22	NEW TEN	
100	30/3	३०	吹		४२	37	133	१२		4.30
विलि	स्मा	3×6	४२	क्रम	X	धन्न	38	W	यमा स्था	श्रुर्वमो
रन्त्रीय		३ट	ALC:	183	क्षत्र	160	级	28	記	रतारा व
3	23	20	家		3€	199	ल्य	57		2
	वास्त्र	0	23	22	X	30	38	N.	मुगा	
(TIN	京	1111	200	33	200	2 30	36	201	W.	29
शिक्षा विश्व विष्ठ विश्व विष्य विश्व विष्य विश्व										
बुमत	1य	D'g	O.	2	2	180	3	×	द्वी	ायं ।

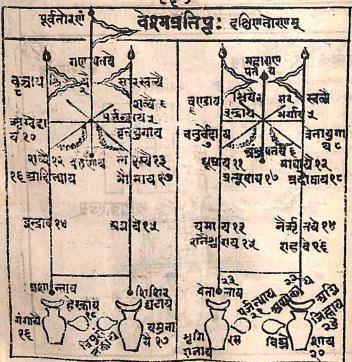
भागार्थनास्त्रयागार्धम् वेशमञतिष्टाविषय इन्द्रवा अग्रिक कार्डम्



CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

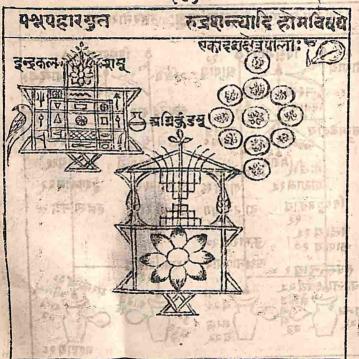
विवास विषये **श्रेशहर्यम्** स्वस्तिरावा अधिकाएडम

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri



CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

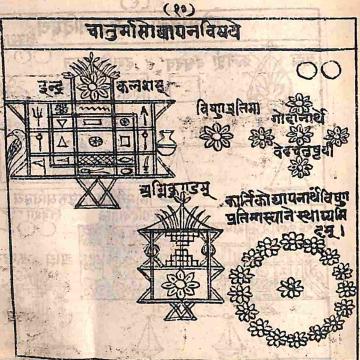
ર્યા	श्चमतार	लम् वे	श्मप्रति	1 <b>9:</b> 3	हरतारा	गम्	SOUP O
हे विशास विशास	3	शाय १	श्रीयाय श्रीयाय	् २(अवे	र्वेष्ट्र	माय १	वाग्द्रचे
सामबेट	तिवस्ते न विवस्ते न विवस्ते न विवस्ते न	जिल्ला के जिल्ला	ते इ हायरञ्जू गायट येश्य	स्थुविव बुद्धय	हाव अ	5 He	Maria I
. विष्	वाशाय१ एवकाय १३ य १५	र हा	वायदेशः टकेश्वर प्रभ	3,30 guid	B-AMILIA		न्य १४ न्य १४
त्यस्	न्दाय १ क्षाय २५ १ क्षेत्रीव		तात्याय श्रमना य २६ ) सम्ब	3m2	वाहाय-	- ALEAN	120 100 100 100 100 100 100 100 100 100

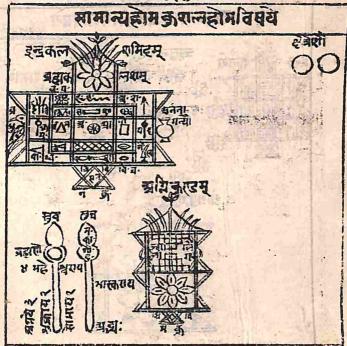


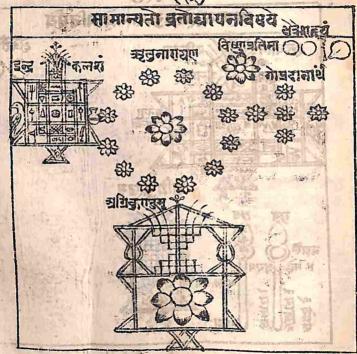
CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

(3) क्रलप्रं वैश्वदव **दश**िद्याल वला होमयुननुल्युक्षिय

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri







CC-0. In Public Domain, Digitized by eGangotri

मीवधनुत्सः

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

## पन्नगग्रम्

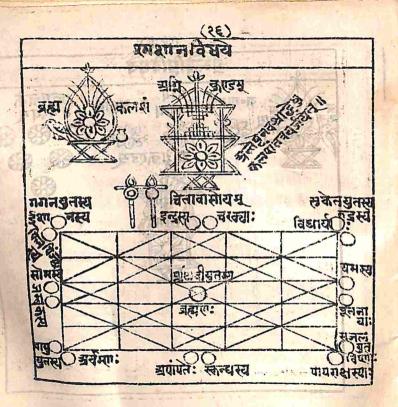
गामूबं गामयं शीरं हिंध स्मिः कुशाहकम्। निर्दिष्टं पञ्चगव्यच पवित्रं कायशाधनम् । गामूबं गा-मय क्ष्यं त संक्षेव छते तथा।ता-ति हिंध प्रसच्यानि तत्स्व प्यसा-नतर। एकीहत्य न तत्स्व कुशाहक-विमध्यगम्।

हवस्यत्वा क्रशा-	र्धिकार्गिति वेर्धिक्षे ४	हेवस्य न्वा
गायमेवसमादा यगामुक्षेत्रे १	मा जागम्बत	तेजासीति इत
<b>त्रापाहिष्टति</b>		देवस्यत्वा

## **अन्खि**षृिविषये







(69)

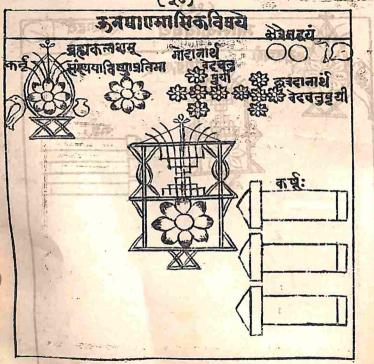


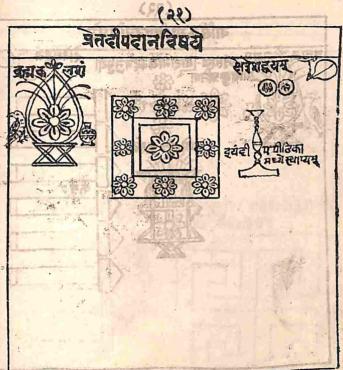
(१८) द्वाद्शाह्निकमापिएडविषये

(१६) मासिकविषये

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

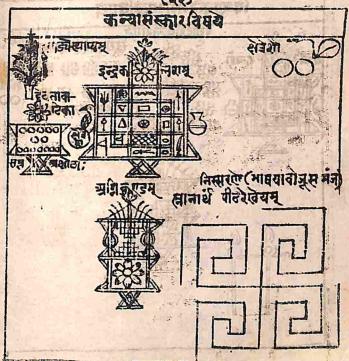
(20)





(22)





(38)



CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

